

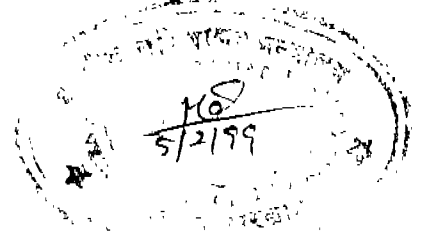


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 187 ]  
No. 187 ]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 24, 1998/ भाद्र 2, 1920  
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 24, 1998/BHADRA 2, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1998

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन तथा रूमानिया से कैल्शियम कार्बाइड के आयातों के संबंध में पादनरोधी जांच ..... प्रारंभिक जांच-परिणाम

27/1/97-एड्डीडी : वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पादित वस्तुओं की पहचान, उन पर पादनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए।

क. क्रिया विधि

जांच के संबंध में नीचे वर्णित कार्यविधि अपनाई गई है :

i. निर्दिष्ट प्राधिकारी को (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) उपर्युक्त नियम के अंतर्गत धरेलू उद्योग की ओर से इंडस्ट्रियल कैमिकल एंड मोनोमर्स लि., बिरला कार्पोरेशन लि., (यूनिट बिरला कार्बाइड एंड गैसिस), टेक्सिल कैमिकल एंड हाइड्रो पावर लि. और पैनयम सीमेंट एंड मिनेरल इन्डस्ट्रीज लि., जिनमें क्रमशः आई सी एम एल, बिरला कारपो. टेक्सिल एंड पैनयम कहा जाएगा, से लिखित याचिका प्राप्त हुई हैं, जिसमें चीन तथा रूमानिया मूल के अथवा वहां से निर्यातित कैल्शियम कार्बाइड (इसके बाद इसे संबंधित वस्तुएं कहा जाएगा) के पादन का आरोप लगाया गया है।

ii. याचिकाकर्ता द्वारा दायर की गई याचिका की प्रारंभिक जांच में कुछेक कमियों का पता चला था, जिन्हें बाद में याचिकाकर्ता ने सुधार दिया था। अतः याचिका को उचित रूप से प्रलेखित ही मान लिया गया।

iii. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने चीन तथा रूमानिया से कैल्शियम कार्बाइड के आयातों के विरुद्ध जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने नियमों के उप-नियम 5 (5) के अनुसार जांच को शुरू करने की कार्यवाई करने से पूर्व पादन के आरोप के प्राप्त होने के बारे में चीन तथा रूमानिया के दूतावासों को सूचित किया।

iv. प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के सीमाशुल्क शीर्ष 2849 के तहत वर्गीकृत चीन तथा रूमानिया (जिन्हें इसके बाद संयुक्त देश कहा जाएगा) मूल के अथवा वहां से निर्यातित कैल्शियम कार्बाइड के आयातों के संबंध में पादनरोधी जांच शुरू करने हेतु भारत के राजपत्र, असाधारण, में दिनांक 28 जनवरी, 1998 को सार्वजनिक सूचना जारी की थी।

v. प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति निर्यातकों (जिनके व्यौरे याचिका कर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए) तथा उद्योग संघों को दी थी और नियम 6 (2) के अनुसार उन्हें लिखित में अपने विचार प्रकट करने का अवसर दिया था।

2273 GI/98  
2. 2. 1999, 1/1/1999

vi. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं द्वारा दी गई सूचना के अनुसार भारत में कैल्शियम कार्बाइड के सभी ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति प्रेषित की थी और उन्हें पत्र के प्राप्त होने की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया था।

vii. जांच की अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में कैल्शियम कार्बाइड के लिए किए गए आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क बोर्ड से अनुरोध किया गया था। बहरहाल सीबीईसी से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

viii. प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों तथा संबंधित देशों के दूतावासों को उक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक-एक प्रति दी थी। अथ हितवद्ध पार्टियों को भी, जिन्होंने इसके लिए अनुरोध किया था, याचिका की एक-एक प्रति दी गई थी।

ix. प्राधिकारी ने निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से नियम 6(4) के अनुसार संगत जानकारी मंगाने के लिए उन्हें प्रश्नावली भेजी थी।

- (1) बीजिंग कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप इम्पो. एंड एक्सपोर्ट, चीन
- (2) बीजिंग नं. 2 कैमिकल प्लांट, चीन
- (3) बीजिंग हुआफो कैमिकल इंडस्ट्री (ग्रुप), चीन
- (4) चेंगझी म्युनिस्पैलिटी कैमिकल इंडस्ट्री प्लांट, चीन
- (5) याक्थान कैल्शियम कार्बाइड एंटर प्राइसिज ग्रुप कारपो., चीन
- (6) जिएक्मिट कैल्शियम कार्बाइड प्लांट, चीन
- (7) चाइना नेशनल कैमिकल कंस्ट्रक्शनइनर, चीन
- (8) बी 33 एनक्सी कैमिकल एंड माइन जनरल फैक्टरी, चीन
- (9) लिओनिंग क्यूकिमन कैल्शियम कार्बाइड फैक्टरी, चीन
- (10) सिनोचम सिपिंग कैमिल कंपलैक्स, चीन
- (11) हारबिन पैट्रो-कैमिकल इंडस्ट्री (ग्रुप) कारपो. चीन
- (12) हाइफार्ड कैमिकल प्लांट, चीन
- (13) हुईनान इलैक्ट्रो कैमिकल प्लांट, चीन
- (14) चाइना नेशनल कैमिकल कंस्ट्रक्शन कारपो., चीन
- (15) डालियान स्टोन स्टार, चीन
- (16) शेयांग कोल माइनिंग, चीन
- (17) हेकेई कैमिकल प्लांट, चीन
- (18) गुआंगसी होशान कोल माइनिंग
- (19) कार्बिड-फोक्स, एससीए, रूमानिया
- (20) कोमचिम एसए रूमानिया

अनेक पार्टियों ने समय-वृद्धि के लिए अनुरोध किया था जो दो सप्ताह तक बढ़ा दी गई थी।

निम्नलिखित निर्यातकों ने उत्तर दिया :

\*चाइना नेशनल कैमिकल कंस्ट्रक्शन डालियान, कं. चीन

\*सिनोचैम एक्सियामर कारपो.—चीन

\*कारबिड फॉक्स—रूमानिया

x. संबंधित देश के नई दिल्ली स्थित दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था जिसमें उनसे अनुरोध किया गया था कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर भेज दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका तथा प्रश्नावली की एक-एक प्रति भी सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची सहित दूतावास को भेज दी गई थी।

xi. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए कैल्शियम कार्बाइड के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी :

- (क) एशियाटिक गैसिस लि थाणे
- (ख) बोम्बे आक्सीजन कारपो. लि., मुंबई
- (ग) इंडस्ट्रियल आक्सीजन कं. लि., चेन्नई
- (घ) सेंका कार्बन प्रा. लि., चेन्नई
- (ङ.) अक्षर एसीटीलीन प्रा. लि., बड़ोदरा
- (च) ईस्टर्न एसीटीलीन प्रा. लि., भोपाल
- (छ) स्काई एसीटीलीन कं. लि., गुजरात

- (ज) गुजरात एसीटीलीन प्रा. लि., गुजरात
- (झ) के. मनीष गैसिज प्रा. लि., मुंबई
- (ञ) मोदी गैसिज प्रा. लि., मुम्बई
- (ट) चैमप्लास्ट सन्मार लि., चेन्नई
- (ठ) बीओसी इंडिया लि., चेन्नई
- (ड) नेशनल आक्सीजन लि., पुडुकोट्टई जिला
- (ढ) डी सी डब्ल्यू लि., तूतीकोरिन जिला
- (ण) मोदी अल्कलीज एंड कैमिकल्स लि., अलवर
- (त) मैपशे इंडस. लि., मुंबई
- (थ) राष्ट्रीय इस्पात निगम लि., विशाखापत्तनम
- (द) अरबी एंटर प्राइसेज लि., पुणे
- (ध) पूना ऑक्सीजन एंड एसीटीलीन कं. प्रा. लि., पुणे
- (न) दी आंध्र ऑक्सीजन प्रा. लि., विशाखापत्तनम
- (प) पिम्परी गैसिज लि., महाराष्ट्र
- (फ) इंडियन गैसिज, जालंधर जिला
- (ब) केशरवानी एजेंसीज, मुंबई
- (भ) महावीर गैस प्रा. लि., मुंबई

अनेक पार्टियों ने समय-वृद्धि के लिए अनुरोध किया था जिसे प्राधिकारी ने 2 सप्ताह के लिए बढ़ाने की अनुमति दी थी। पश्चात्वाली का उत्तर निम्नलिखित ने भेजा था:

- \*ऑल इंडिया इंडस्ट्रियल गैसिज मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली
- \*सेनक कार्बन (प्रा.) लि., चेन्नई
- \*मुंजाल गैसिज, लुधियाना
- \*पूना ऑक्सीजन एंड एसीटीलीन कं. (प्रा.) लि.
- \*नेशनल आक्सीजन लि., चेन्नई
- \*एशियाटिक गैसिज, लि., थाणे
- \*मैप्रो इंडस्ट्रीज लि., मुंबई
- \*योम्बे आक्सीजन कारपो. लि., मुंबई
- \*डी सी डब्ल्यू लि., मुंबई
- \*अक्शर एसीटीलीन लि., गुजरात
- \*बीओसी गैसिज, कलकत्ता
- \*ग्वालियर एयर प्रोडक्ट्स लि., एमपी

xii. क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना याचिकाकर्ताओं से मांगी गई थी। उक्त सूचना भी इन्होंने प्रस्तुत कर दी थी।

xiii. प्राधिकारी ने जितना आवश्यक समझा याचिकाकर्ता ने परिमरों पर जाकर जांच की थी।

xiv. प्राधिकारी ने विभिन्न हितवद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के गैर-गोपनीय अंश वाली मार्गजनिक फाइल रखी हुई थी, जिसे हितवद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा गया था।

xv. सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों तथा याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और संबद्ध वस्तुओं को भारत में तैयार करने तथा बेचने की लागत निकालने के लिए लागत-जांच भी की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या डंपिंग मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को होने वाली हानि को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

xvi. इस अधिसूचना में xxx चिह्न यह दर्शाता है कि उक्त सूचना हितवद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई थी और नियमों के अनुसार प्राधिकारी ने भी उसे गोपनीय माना है।

xvii. यह जांच 1 अप्रैल, 1996 से 31 जुलाई, 1997 तक की अवधि के लिए की गई थी।

#### (ख) याचिकाकर्ता का विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका और अनुवर्ती अभ्यावेदन में निम्नलिखित मुख्य मुद्दों को उठाया है।

- (क) भारतीय कैल्सियम कार्बाइड उद्योग में मुख्यतः चार बड़े उत्पादनकर्ता हैं अर्थात् बिड़ला कार्बाइड, टी ई सी आई एल, आई सी एम एल और पानयम। बहुत से छोटे उत्पादनकर्ता भी हैं जो समीप के जिले/राज्य में बिक्री कर रहे हैं। देश की कुल क्षमता का मही-मही अनुमान सरकारी तौर पर नहीं है। डीसीएम श्री राम अन्य बड़ा उत्पादनकर्ता है जो कैल्सियम कार्बाइड का उपयोग मध्यवर्ती वस्तुओं के रूप में करता है और इसकी बिक्री नहीं करता है।

- (ख) देश में कैल्शियम कार्बाइड की मांग पिछले तीन वर्षों से लगभग 58000 मी०टन प्रतिवर्ष है। विगत में कोई नई क्षमता का सृजन नहीं हुआ है।
- (ग) पाटित वस्तुओं की मात्रा में कई वर्षों से पर्याप्त वृद्धि हुई है। घरेलू खरीद मूल्य की तुलना में पाटित आयात जून 96 से महत्वपूर्ण रूप से कम कीमत पर हुआ है। कीमत में महत्वपूर्ण कटौती की गई है। कैल्शियम कार्बाइड के आयातों से कीमत में हुई कटौती के कारण उत्पादकों को बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए कीमत घटाने पर मजबूर होना पड़ा।
- (घ) देश में 70000 मी०टन प्रति वर्ष से अधिक की पर्याप्त उत्पादन क्षमता उपलब्ध है जो आयात सहित 55000 मी०टन की बाजार डिमांड से अधिक है। भारतीय कैल्शियम कार्बाइड बाजार चीन और शेष विश्व की तुलना में बहुत छोटा है। अगर पाटित मूल्य पर आयातों को जारी रखने की अनुमति दी जाती है तो आयात के हिस्से से बाजार में इसकी बहुलता हो जाएगी। घरेलू उत्पादक आयातित पाटित उत्पादों के कारण पहले से ही अपना बाजार हिस्सा खो चुके हैं।
- (ङ) पाटन के कारण कैल्शियम कार्बाइड के घरेलू विनिर्माताओं में सबसे खराब प्रभाव उन उत्पादकों पर पड़ेगा जिनकी विभिन्न कारणों से उत्पादन लागत अधिक है। 38% घरेलू क्षमता उच्च टैरिफ स्टेट में स्थित है।

(ग) निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. निर्यातक : एस सी कार्बाइड फोक्स ए रुमानिया

- (क) उन्होंने कहा है कि वह रुमानिया का अकेला कैल्शियम कार्बाइड उत्पादक है और घरेलू बाजार की मांग की आमतौर पर पूर्ति करता है। वह एक निजी कंपनी है और उसकी नीति प्रति उत्पाद इकाई में न्यूनतम लागत के साथ उत्पादन करना है।
- (ख) उत्पाद कैल्शियम कार्बाइड की डिमांड केवल उत्पादन व्यय और व्यापार योजना के तहत निर्धारित लाभ तथा कैलेंडर वर्ष के शुरू होने से पहले स्वीकृत लाभ एवं व्यय के प्रावधान के तहत की जाती है। निर्धारित मूल्यों को प्रकाशित किया जाता है और उस पर सरकार नियंत्रण रखती है। आर्थिक प्रमाणन के बिना उनमें संशोधन करना एक गैर-कानूनी कार्य समझा जाएगा। यह स्थिति निर्यात के बारे में भी वैध है जिसके लिए वे उत्पादन व्यय को शामिल करके और लाभ प्राप्त करके ही इसका निष्पादन करने के लिए बाध्य और इच्छुक होते हैं।
- (ग) रुमानिया वर्षों से विश्वव्यापी बाजार में पारंपरिक मौजूदगी को कायम रखने में सफल रहा है। वर्ष 1996 में उसने सतत कार्य का 80वां वर्ष मनाया और ऐसा पहली बार हुआ है कि उन्हें सूचित किया गया है कि वह पाटित निर्यात कर रहा है।
- (घ) वर्ष 1996 और 1997 के आर्थिक और वित्तीय परिणामों के आधार पर, उसने संकेत दिया है कि उसने कैल्शियम कार्बाइड का निर्यात पहले वर्ष में 4% लाभ पर और दूसरे वर्ष में 3.5% पर लाभ पर किया है। भारतीय निर्यात के लिए लाभ 1996 में 3.8% और 1997 में 3.5% पर रखा गया था।
- (ङ) याचिकाकर्ताओं ने कुछ पहलुओं पर अपने विचार छुपा लिए हैं, जो निम्नानुसार हैं :—
- 0 उनके द्वारा जो निर्यात किया जाता है, वह आर्डर पर एक निश्चित आकार वाले ग्रेड का, एक खास किस्म के पैकों में किया जाता है जिसमें कैल्शियम कार्बाइड के एम, प्रति किग्रा. में एक निश्चित गैस उत्पाद होता है। हालांकि 1996-97 में भारत को की गई निर्यात की कुल मात्रा 15440 मी. टन थी, लेकिन उसमें 2675 मी. टन की मात्रा 0-15 एम एम, 7-15 एम एम, 15-25 एम एम जैसे कम दानेदार ग्रेडों वाली थी। इस प्रकार के उत्पाद की लागत बड़े दानेदार वाली किस्म की लागत से अलग होती है और इसलिए भारतीय उत्पादकों से यह जानकारी देने के लिए कहा जाए कि उन्होंने किसकी तुलना किससे की है।
- 0 वर्ष 1997 में भारत ने लगभग 60000 मी. टन कैल्शियम कार्बाइड की खपत की जबकि आंतरिक उत्पादन से इस मांग का केवल 55% पूरा होता है। इस प्रकार इच्छुक भारतीय कंपनियों द्वारा आयात करने की गुंजाइश है। हालांकि यह आयात आवश्यक और उपयोगी है, लेकिन अगर इस आयात की जरूरत नहीं है तो इसमें भारतीय अर्थव्यवस्था दोषी है।
- 0 यह कहा गया है कि वे जानते हैं कि भारत के पास बाजार अर्थव्यवस्था है। बाजार अर्थव्यवस्था एक प्रतिस्पर्द्धी अर्थव्यवस्था होती है जिसमें उत्पादक अपनी आर्थिक क्षमता की आजमाइश करते हैं, जिसमें उन्हें अपने आप में भी और दूसरे उत्पादकों दोनों के साथ प्रतिस्पर्द्धी होना चाहिए और ऐसी उच्च लागत पर उत्पादन करने की स्थिति में उन्हें संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए जिस लागत पर वे मांग और प्रस्तावों पर निर्भर करते हुए बाजार कीमत नहीं जुटा सकते हों।
- 0 1996 के आधार वर्ष में कीमत औसतन 325 यू एस डालर प्रति मी. टन थी और वर्ष 1997 में 330 यू एस डालर प्रति मी. टन के लगभग थी। वर्ष 1996-97 में कंपनी ने निर्यात से कारोबार का 50% से अधिक की पूंजी निर्माण किया। वे यूरोप, एशिया, अफ्रीका और अमरीका के 40 से अधिक देशों को कैल्शियम कार्बाइड का निर्यात कर रहे हैं और यह दावा किया है कि उनको निर्यात में नुकसान नहीं हो रहा है। वे एक निजी कंपनी हैं और उनके पास लाभ के अलावा दूसरा कोई आय का स्रोत नहीं है।

#### 4. निर्यातक : चाइना नेशनल कैमिकल कंस्ट्रक्शन इंडालियन कं., चीन

- क. यह कहा गया है कि चीन से निर्यातित कार्बाइड में वास्तविक स्थिति परिलक्षित नहीं होती है। चीन में कैल्शियम कार्बाइड की बिक्री कीमत भारत में निर्यातित कैल्शियम कार्बाइड की कीमत से कम है।
- ख. पाटनरोधी शुल्क का प्रश्न सामने तभी आता है जब निर्यात कीमत घरेलू बाजार में चल रही कीमत से कम है। यह दावा किया गया है कि स्थानीय खरीददारों के कार्बाइड की बिक्री विदेशी खरीददारों को बेची जा रही कीमत से ज्यादा कीमत पर की जाती है और चीन इमदादी दरों पर कार्बाइड की निर्यात नहीं कर रहा है। इसके साथ-साथ निर्यात की मात्रा बहुत सीमित है।

#### आयातकों के विचार

##### 5. मुंजाल गैसिज

- 0 यह कहा गया है कि आयातक उत्पादकों की चुनौतियों से तंग आ गए हैं। जिन्होंने पिछले छः वर्षों में मूल्य में लगभग 30% की वृद्धि की है। वर्तमान कैल्शियम कार्बाइड 22000/- रु. प्रति मी. टन पर बेचा जा रहा है और कैल्शियम कार्बाइड की उच्च कीमत के कारण लाभप्रदता कम होती जा रही है। उन्होंने एक समाचार पत्र की इस रिपोर्ट को उद्धृत किया है कि बी ओ सी इंडिया कैल्शियम कार्बाइड के उत्पादन के लिए 50,000 मी. टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता का एक संयंत्र भूटान थानेपाल में स्थापित करने की योजना बना रहा है। लागत 13500-14000 मी. टन के बीच रहेगी जिसमें 8000 से 9000 रु. का मार्जिन होगा।

##### 6. मैसर्स सेनका कार्बन प्रा. लिमि.

- (i) पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए अनुरोध भारत के कार्बाइड विनिर्माता उद्योग में प्रचलित वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाता है। यह अनुरोध भारत में केवल चार उत्पादकों तक ही सीमित है जबकि रासायनिक वार्षिक अंक 1996 के अनुसार 2.55 लाख टन प्रति वर्ष से अधिक की कुल क्षमता वाले और उत्पादक हैं। इसमें कम क्षमता वाले बहुत से मध्यम और लघु स्तर के एककों को शामिल नहीं किया गया है। चार याचिकाकर्ताओं में से एक आयातक है और शेष दो ने कार्बाइड के एक बहुत बड़े हिस्से की खपत सीमित उपयोग के लिए की है। इस प्रकार कार्बाइड विनिर्माताओं के एक छोटे से हिस्से द्वारा पाटनरोधी शुल्क लागू करने का मुद्दा उठाया जा रहा है जबकि गैर-भागीदारों के एक बड़े भाग को अनदेखा कर दिया गया है। टेसिल, 1996-97 द्वारा प्रकाशित तुलन-पत्र के अनुसार उनकी स्थापित क्षमता 30000 मी. टन प्रति वर्ष की थी जबकि उत्पादन 10254 मी. टन रहा था। किन्तु उन्होंने बाजार में बिक्री के लिए केवल 3022 मी. टन ही पहुंचाया। इस प्रकार उन्होंने अपने उत्पादन के एक बड़े हिस्से का उपभोग सीमित कार्यों में किया। इसी प्रकार बिरला ने भी कुछ हिस्से का सीमित उपयोग किया। इस तरह प्रभावशाली अभ्यावेदन केवल आइ सी एम एल से ही प्राप्त हुआ है जिसकी स्थापित क्षमता 12500 मी. टन है। यह ताजुब है कि क्या वे जबकि कुल स्थापित क्षमता का अपेक्षाकृत कम स्तर होने और बाजार अपेक्षाएं भी अधिक होने के बावजूद पाटनरोधी शुल्क का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए हकदार हैं। यदि पाटनरोधी शुल्क कुल विनिर्माण क्षमता के एक हिस्से द्वारा दिये गए प्रतिवेदन के आधार पर लगाया जाता है तो समूचे उद्योग के लिए अनुचित होगा खासकर उपभोक्ताओं के लिए विशेषकर उस समय जब एक उत्पाद की आपूर्ति कम है।
- (ii) यह कहा गया है कि कैल्शियम कार्बाइड के विनिर्माताओं द्वारा स्वयं अपनी खपत के लिए कैल्शियम कार्बाइड का आयात करने के लिए आयातकों पर दबाव दिया गया है। पूर्व में कई उदाहरण हैं जहां विनिर्माता प्रयोक्ताओं को कैल्शियम कार्बाइड की आपूर्ति नहीं कर सके हैं। ऐसे मौकों पर कीमतें काफी बढ़ी हैं। राज्य सरकार द्वारा ऊर्जा टैरिफ या अन्य शुल्कों को बढ़ाए जाने से इसका कोई संबंध नहीं था। विनिर्माताओं में से एक को प्रयोक्ताओं को अपनी आपूर्ति की राशनिंग करनी पड़ी इस प्रकार उन्होंने उत्पादन को नियंत्रित/सीमित कर दिया।
- (iii) विनिर्माता ने प्रयोक्ताओं को मौखिक रूप से यह भी सलाह दी कि वे आपूर्तियों की कमी को पूरा करने के लिए आयात करें। इस तरह प्रयोक्ता आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए आयात कर रहे हैं और आयात लागत स्वदेशी मूल्य से सस्ती नहीं है। इसके अलावा विनिर्माताओं से जो आपूर्ति होती थी, वह अनियमित थी और जोरदार आग्रह के बावजूद कम आपूर्ति के उदाहरण मिलते हैं। विनिर्माता बिना किसी पर्याप्त कारण के बार-बार अपने मूल्य बढ़ा रहे हैं।
- (iv) यह कहा गया है कि अभी भी उपयोक्ता कैल्शियम कार्बाइड की खरीद विनिर्माता से कर रहे हैं। जितना वे आपूर्ति कर सकते हैं। वे विनिर्माता द्वारा सामग्री की आपूर्ति करने में असमर्थ रहने के कारण ही आयात का सहारा ले रहे हैं। आयात स्वदेशी उपलब्धता को पूरा करने के लिए की जाती है।
- (v) वर्ष 1989-90 से 1996-97 के बीच देश की बहुत बड़ी स्थापित क्षमता के मुकाबले में उत्पादन की मात्रा लगभग 95000-96000 मी. टन प्रति वर्ष रही। इस प्रकार देश में कैल्शियम कार्बाइड की उपलब्धता में काफी कमी रही जिससे स्वदेशी उपलब्धता को बनाये रखने के लिए और प्रयोक्ता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आयात करना आवश्यक हो गया। कमी को केवल पूरी स्थापित क्षमता का उपयोग करके ही पूरा किया जा सकता था। कैल्शियम कार्बाइड का उत्पादन काफी हद तक विद्युत् ऊर्जा पर निर्भर है जो राज्यवार अलग-अलग है। दूर दराज से कार्बाइड खरीदना सड़क परिवहन व्यय के कारण खर्चीला होता है। इसलिए कैल्शियम कार्बाइड की और आवश्यकता को केवल आयात को पूरा किया जाना चाहिए जिससे कि विद्युत की ज्यादा से ज्यादा बचत हो सके।

- (vi) पाटनरोधी शुल्क का प्रश्न सामने तभी आता है जब घरेलू बाजार में वसूली मूल्य से निर्यात मूल्य कम हो। चीनी कार्बाइड को निर्यात से कम कीमत पर नहीं बेचा जा रहा है।
- (vii) पाटनरोधी शुल्क के आवेदन में बहुत से पृष्ठ हैं जिसमें ऊपर "अगोपनीय" की मुहर लगी है, बहुत से आंकड़े वर्गीकृत अभ्युक्ति के साथ खाली छोड़े गए हैं। यह हास्यास्पद है कि एक तरफ तो उस पर "अगोपनीय" की मुहर है और दूसरी तरफ आंकड़े खाली हैं। यह अत्यंत आपसिजनक और अस्वीकार्य है। आयातक ने इच्छा जाहिर की है कि उसकी आपत्ति दर्ज की जाए और याचिका को "अपूर्ण" तथा "असंगत" मानते हुए उसे अस्वीकृत कर दिया जाए।
- (viii) अगर कैल्शियम कार्बाइड पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो इससे स्वदेशी विनिर्माताओं को एक बल मिलेगा और वे तुरंत अपनी कीमतें बढ़ा देंगे और अपने एकाधिकार के पुराने रवैये पर आ जायेंगे।

ग. अखिल भारतीय औद्योगिक गैस उत्पादक संघ ने निम्नांकित कारणों से याचिका का विरोध किया है :

- (i) स्थानीय उत्पादक एक उत्पादक संघ के रूप में कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार सर्वसम्मति से निश्चित की गई कीमत पर अधिशुल्क वसूल कर रहे हैं।
- (ii) आयातित कार्बाइड की तुलना में घरेलू कार्बाइड की गुणवत्ता घटिया है। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय कार्बाइड से कार्बाइड की प्रति कि.ग्रा. उपज कम होती है।
- (iii) स्थानीय विनिर्माता आमतौर पर सुपुर्दगी की समय सारणी का पालन नहीं करते हैं। इससे कमी हो जाती है और हड़बड़ाहट में खरीद करनी पड़ती है। कैल्शियम कार्बाइड की खरीदार द्वारा विनिर्माता/विक्रेता को अधिशुल्क देना पड़ता है।
- (iv) ऐसा कहा जाता है कि जब कैल्शियम कार्बाइड का आयात प्रतिबंधित सूची के अंतर्गत था तब अनेक डी ए गैस संयंत्र ऐसे थे जिन्हें कैल्शियम कार्बाइड के उपलब्ध नहीं होने कारण 15-20 दिनों के लिए बंद रखना पड़ता था। जब यह उत्पादन ओ जी एल के अंतर्गत आया तभी कैल्शियम कार्बाइड की आपूर्ति स्थिर हुई है। चीन और रोमानिया से आयातित कैल्शियम कार्बाइड बेहतर प्रकार और गुणवत्ता का है।
- (v) प्रयोक्ता द्वारा यह कहा जाता है कि अगर घरेलू उत्पादक आयातित कीमत और गैस प्राप्ति दोनों ही मामलों में तालमेल बैठता है तब वे उनसे आपूर्ति लेने पर विचार कर सकते हैं। टेसिल के मामले में, गैस उत्पादन 270 एल किग्रा. के करीब है जो कि 76.1 कि.ग्रा. के बराबर है जबकि आयातित कैल्शियम कार्बाइड में इसका औसत 65 रु० है जो कि अन्तिम उत्पाद की उत्पादन लागत के रूप में बहुत महत्वपूर्ण कारक है।
- (vi) भारत में कैल्शियम कार्बाइड के उत्पादन में आयातों के कारण कमी नहीं हुई है बल्कि अनेक समस्याओं के कारण ऐसा हुआ है जिसमें प्रमुख है बिजली की कमी/वास्तव में प्रत्येक राज्य में बिजली की आपूर्ति कम है और कैल्शियम कार्बाइड के विनिर्माण में ऊर्जा एक मुख्य निवेश है। आयात शुरू होने से पहले ऊर्जा की कमी और विभिन्न अन्य समस्याओं के कारण चार प्रमुख संयंत्र बंद हो गए थे। उसी से यह स्पष्ट है कि भारतीय बाजार में कैल्शियम कार्बाइड की कमी है।

#### घ. उठाए गए मुद्दों की जांच

7. निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध की जांच की गई, उन पर विचार किया गया और उनके बारे में इस अधिसूचना में उपयुक्त स्थानों पर विचार किया गया है।

#### ङ. विचाराधीन उत्पाद

8. वर्तमान जांच के उद्देश्य से इस अधिसूचना में जिस उत्पाद पर विचार किया गया वह सभी आकारों में कैल्शियम कार्बाइड है।

9. कैल्शियम कार्बाइड उन मूल औद्योगिक रसायनों में से एक है जिसका अनेक प्रकार के एसीटीलीन आधारित रसायनों के विनिर्माण के लिए उपयोग होता है। कैल्शियम कार्बाइड के विनिर्माण में उपयोग किया जाने वाला मूल कच्चा माल चुना पत्थर और कोयला/कोक है।

10. कैल्शियम कार्बाइड का वर्गीकरण सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क कोड 28.49 (जो कार्बाइड के रूप में पढ़ा जाता है) के अंतर्गत किया जाता है। लेकिन यह वर्गीकरण केवल संकेतक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र के लिए किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

#### च. समान वस्तुएं

11. नियम 2 (घ) में बताया गया है कि समान वस्तु का अर्थ उस वस्तु से है जो कि भारत में डम्प की जा रही जांच के अधीन वस्तु से हर प्रकार से या तो समान है या मिलती जुलती है या ऐसी वस्तुओं के अभाव में किसी ऐसी अन्य वस्तु से है जो यद्यपि हर तरह से समान नहीं है, लेकिन जिसके गुण जांच के अधीन वस्तु से काफी मिलते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कैल्शियम कार्बाइड कथित देशों से निर्यात किए गए कैल्शियम कार्बाइड के समान वस्तु हैं या नहीं, प्राधिकारी ने विभिन्न कारकों पर विचार किया जैसे माल की भौतिक विशेषताएं, विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकीय कार्य एवं उपयोग, उत्पाद-विनिर्देशन तथा मूल्य-निर्धारण, वितरण एवं टैरिफ वर्गीकरण आदि। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कैल्शियम कार्बाइड का चीन और रोमानिया से आयातित कैल्शियम कार्बाइड के साथ वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों ही रूपों में प्रतिस्थापन हो सकता है। इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कैल्शियम कार्बाइड विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

**छ. घरेलू उद्योग**

12. यह याचिका कैल्शियम कार्बाइड उत्पादकों के लिए तथा उनकी ओर से दायर की गई है जिनमें मैसर्स इंडस्ट्रियल कैमिकल्स एंड मोनोमर्स लिमि. (आई सी एम एल) मैसर्स बिरला कारपो लिमि., मैसर्स टेसिल कैमिकल एंड हाइड्रो पावर लिमि. और पानेम सीमेंट शामिल है। याचिकाकर्ता ने यह बताया है कि भारतीय कैल्शियम कार्बाइड उद्योग अधिकांशतः इन्हीं चार उत्पादकों से बना है। अनेक छोटे उत्पादक भी हैं जो जिला/राज्य के आसपास बिक्री करते हैं। देश में वास्तविक कुल क्षमता का कोई अधिकृत अनुमान नहीं है।

मैसर्स सुमंगला स्टील लिमि. पांडिचेरी ने दावा किया है कि यह कैल्शियम कार्बाइड का उत्पादन करता है और उसने याचिका का समर्थन किया है और आगे दावा किया है कि मैसर्स एल्फोटेक (प्रा.) लि. ने प्रतिस्पर्धियों द्वारा असामान्य रूप से कम कीमत की पेशकश के कारण प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकने के कारण कैल्शियम कार्बाइड का अपना उत्पादन बंद कर दिया है। मैसर्स सुमंगला ने आगे दावा किया है कि उसने दिसम्बर, 1997 से अपना उत्पादन रोक दिया है।

प्राधिकारी ने देश में कैल्शियम कार्बाइड के उत्पादन के बारे में रसायन और पेट्रोसायन विभाग से पूछताछ की थी और यह रिपोर्ट मिली कि कैल्शियम कार्बाइड के छः एकक हैं। इन छः में से पहले से ही नामित चार याचिकाकर्ता हैं और अन्य मैसर्स श्रीराम फर्टिलाइजर्स एंड कैल्शियम एंव यू.पी. कार्बाइड एंड केमिकल हैं। यह नोट किया गया है कि श्रीराम फर्टिलाइजर एंड केमिकल कैल्शियम कार्बाइड केवल आन्तरिक उपभोग के लिए उत्पादन कर रहा है और इसलिए प्राधिकारी ने इस घरेलू उद्योग के उत्पादन के दायरे से निकाल दिया है। मैसर्स पनयम सीमेंट के उत्पादन को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि जांच अवधि के दौरान वे उक्त उत्पादन के आयातक हैं। अन्य याचिकाकर्ता घरेलू उत्पादन के 25% के लिए जिम्मेवार हैं और उपयुक्त नियमों के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की योग्यता रखते हैं।

**ज. पाटन**

13. धारा 9 क (1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

- (i) व्यापार के सामान्य रूप में समान वस्तु के लिए तुलनीय मूल्य जब वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो, या
- (ii) जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती हो, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा:
- (क) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त तीसरे देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए; या
- (ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत जिसमें प्रशासनिक लागत, बिक्री लागत और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए;

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल बाह्यान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

14. प्राधिकारी ने ऊपर बताई गई धाराओं के अनुसार संबद्ध देशों के निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में निर्यातकों द्वारा किया गया दावा निम्नानुसार है :

**15. निर्यातकों के दावे****क. निर्यातक कार्बाइड फोक्स, रोमानिया**

- (i) निर्यातक ने कहा है कि उनकी कंपनी सभी समुद्रवर्ती परिवहन संबंधों के लिए एफ ओ बी शर्त पर निर्यात प्रचालन करती है। 1996 में भारतीय बाजार में लागू कीमत 330-350 यू एस डालर प्रति मी. टन और 1997 के लिए 320-355 यू एस डालर प्रति मी. टन थी। आगे यह कहा गया है कि कैल्शियम कार्बाइड की कीमतों में गुणवत्ता की किस्म के कार्य (रवा संबंधी और एक्टिव पदार्थ की मात्रा) उत्पाद के प्रस्तुतीकरण के तरीके, परिवहन की दशा (कार्गो या कंटेनर) एवं भुगतान शर्त की वजह से उतार-चढ़ाव आया। कैल्शियम कार्बाइड तैयार करने की लागत में जो उतार-चढ़ाव आता है वह मुख्य रूप से माल (कोक और थोसाइड, धातु और उपयोगिता) बिजली ऊर्जा और प्राकृतिक गैसों (की कीमतों में अलग-अलग समय पर एक अवधि से दूसरी अवधि तक) उतार-चढ़ाव और बैंकों तथा अन्य वित्तीय साधनों द्वारा दिए जा रहे ऋण के मूल्यों में उतार-चढ़ाव की वजह से भी आता है।
- (ii) आगे निर्यातक ने इस तथ्य को स्वीकार करने के लिए भी कहा है कि उनके लिए उस बाजार के बारे में और बाजार की कीमतों के बारे में आंकड़े प्रदान करना असंभव है। यह दावा किया गया है कि भारतीय बाजार में उनकी कीमतें सामान्य हैं और हमारे प्रतिस्पर्द्धी चीन से कैल्शियम कार्बाइड की तुलना में चालू कीमतों से बहुत ज्यादा हैं। यह भी दावा किया गया है कि इस तथ्य की पुष्टि इस वास्तविकता से भी होती है कि 1997 के उत्तरार्द्ध में और इस वर्ष के पहले चार महीने में रोमानिया से भारत में कैल्शियम कार्बाइड का निर्यात काफी कम हो गया। उन्होंने आगे कहा है कि अपनी ओर से उन्होंने पर्याप्त आंकड़े दिए हैं। किन्तु उत्पादन की मात्रा निर्यात की मद बिक्री बाजार के बारे में आंकड़े प्रदान करने में उन्होंने अपनी असमर्थता व्यक्त की है, क्योंकि उन्होंने इन आंकड़ों को गोपनीय माना है।

**ख. निर्यातक चाइना नेशनल कैमिकल कंस्ट्रक्शन डेलिचन कं. चीन**

- (i) जांच के दौरान, उन्होंने अपने स्वयंसेवक, मात्रा तथा परिवहन के तरीके और भारत में बिक्री संविदा के बारे में ख़ौर प्रस्तुत किये हैं। यह निवेदन किया गया है उन्होंने जांच अवधि के दौरान 766 मी. टन का निर्यात किया। इसमें से 550 मी. टन  $\times\times\times$  अमरीकी डॉलर प्रति मी. टन (सी एंड एफ) और 216 मी. टन  $\times\times\times$  अमरीकी डॉलर प्रति मी. टन (सी एंड एफ) की दर से निर्यातित किया गया है। यह दावा किया गया है कि चीन में प्रचलित कीमत जांच अवधि के दौरान  $\times\times\times$  अमरीकी डॉलर प्रति मी. टन की थी।
- (ii) उपरोक्त की दृष्टि से निर्यातक ने दावा किया है कि निर्यात की मात्रा प्रचुर नहीं है और सिविल याजार में उनकी कीमत भारत की तुलना में कम है और इस प्रकार इनका पाटन नहीं किया जा रहा है। भारत के साथ यह साधारण कारोबार है।

**ग. निर्यातक-सिनोकेम जियांमैं कॉर्पोरेशन चीन**

उनके द्वारा यह कहा गया है कि वे भारतीय बाजार की पाटन कीमत की बजाय एक अंतर्राष्ट्रीय कीमत स्तर पर कैल्शियम कार्बाइड की आपूर्ति करते हैं। यदि स्तर चीन में पूर्ण रूप से सामान्य मूल्य से कम नहीं रही है। बीपी बंदरगाह पर कंटेनर में लदान से पहले एफ ओ बी कीमत  $\times\times\times$  अमरीकी डॉलर प्रति मी. टन की है। बंदरगाह के इलाके में कर सहित स्थानीय बिक्री कीमत लगभग आर एम बी प्रति मी. टन ( $\times\times\times$  अमरीकी डॉलर) की है। परन्तु उन्होंने निर्धारित प्रश्न में सूचना प्रस्तुत नहीं की है और कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।

**16. प्राधिकारी द्वारा आयातकों के दावे की जांच**

(क) प्राधिकारी ने आयातकों द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी की जांच करते समय पाया कि एक आयातक ने एक समाचार पत्र की रिपोर्ट को उद्धृत किया है जिसमें कहा गया कि बी ओ सी इंडिया कैल्शियम कार्बाइड के उत्पादन के लिए भूदान या नेपाल में 50,000 मी. टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता का एक संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। संयंत्र का कार्यस्थल भारत से बाहर होने के कारण मामला जांच के दायरे में नहीं आता है।

(ख) जैसा कि रसायनिक चीकली के 1996 के अंक में प्रकाशित हुआ है, जहां तक 2.16 लाख टन प्रति वर्ष की सकल क्षमता के विषय में उदाहरण सामने का संबंध है, याचिकाकर्ता द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि 30000 मी. टन की क्षमता वाले टेसिल को याचिका में पहले ही शामिल कर लिया गया है और अन्य तीन निर्माता नामतः एम पी कार्बाइड एंड केमिकल्स, एपी कार्बाइड और यू पी कार्बाइड एंड केमिकल्स, को लगभग एक दशक के लिए बंद कर दिया है और इन संयंत्रों से कोई उत्पादन नहीं हो रहा है। इसके अलावा, आयातकों ने रसायनिक चीकली द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार 96,000 मी. टन के अनुमानित उत्पादन का हवाला दिया है और प्रशासनिक मंत्रालय ने वास्तविक स्थिति का पता लगाया है कि 1996-97 के दौरान केवल छः मुख्य उत्पादक ही रहे हैं और वास्तविक उत्पादन 90606 मी. टन रहा है।

(ख) जहां तक याचिका वे अगोपनीय तथ्य का संबंध है, जिनमें याचिकाकर्ता ने कतिपय जानकारी नहीं दी है, प्राधिकारी ने पाया कि हितबद्ध पक्ष में जानकारी गोपनीयता के आधार पर देने की स्वीकृति दी गई है। याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीयता के आधार पर प्रस्तुत जानकारी और उसकी गोपनीयता के लिए दिए गए कारणों को प्राधिकारी ने ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया है।

(ग) आयातित कार्बाइड की तुलना के समय जहां तक घरेलू कार्बाइड की गुणवत्ता के आयातित कार्बाइड से घटिया होने की बात है, इस दावे को प्रमाणित करने के लिए कोई ठोस सबूत प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसलिय प्राधिकारी दावे को अस्वीकार कर सकते हैं।

**17. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों के दावों की जांच**

(क) निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच करते समय प्राधिकारी ने पाया कि रूमानिया तथा चीन के निर्यातकों ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में पर्याप्त सूचना प्रस्तुत नहीं की है। निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई अपर्याप्त सूचना की दृष्टि से प्राधिकारी ने उक्त निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की अनदेखी कर दी है।

(ख) सामान्य मूल्य का निर्धारण याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में दिए गए साक्ष्यों के आधार पर रूमानिया तथा चीन में प्रचलित घरेलू कीमतों के आधार पर तथा नियम 6(8) के अनुसार सर्वोच्च उपलब्ध सूचना के आधार पर किया जाता है।

(ग) कीमत को कारखाना स्तर के तुल्य रखने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार घरेलू भाड़े और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री मार्ग भाड़े, बीमा और बंदरगाह के प्रभारों के कारण समायोजन की अनुमति के बाद कैमिकल चीकली से संकलित आयात आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत परिकल्पित की गई है। डी जी सी आई एंड एस द्वारा संकलित आंकड़ों में कुछ तथ्यपरक त्रुटियों का उल्लेख किया गया है और इसलिए इन आंकड़ों पर भरोसा नहीं किया गया है।

(घ) सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और अपने पास उपलब्ध प्रकाशित जानकारी को हिसाब में लिया है। ऊपर दिए गए खौर के अनुसार निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत कारखाना द्वारा के स्तर पर है और हर्मिंग मार्जिन निम्नानुसार है :

रुपये/मी. टन

निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में पाटन मार्जिन

चीन	5.58
रोमानिया	46.03



**झ. क्षति**

18. अनुबंध-11 के उपरोक्त नियम 11 के अंतर्गत जब क्षति के निष्कर्ष पर पहुँचा जाय तो ऐसे निष्कर्ष में, "पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं की घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभाव सहित सभी संबंधित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए" घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल किया जाएगा। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जाँच करना जरूरी समझा गया है कि भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से कीमत में महत्वपूर्ण कमी आयी है या नहीं अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से काफी हद तक कीमतों में कमी या कीमतों की वृद्धि में रुकावट आयी, जिसमें अन्यथा है या नहीं काफी हद तक वृद्धि हो गयी होती।

उपर्युक्त नियम 11 के अंतर्गत अनुबंध 11 (iii) में आगे यह व्यवस्था है कि ऐसे मामले में, जहाँ एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ पाटन रोधी जाँच की जा रही है वहाँ निर्दिष्ट प्राधिकारी केवल तब ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करेगा जब वह यह निर्धारित करता है कि प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्ट पाटन मार्जिन निर्यात कीमत की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का तीन प्रतिशत है अथवा जहाँ अलग-अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से अधिक है, आयात संचयी रूप से समान वस्तु के आयातों से सात प्रतिशत से अधिक है और आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए उचित है।

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन और संबद्ध देश से आयातों की मात्रा ऊपर निर्धारित सीमाओं से अधिक है। आयातों के प्रभावों का संचयी निर्धारण उचित है क्योंकि संबद्ध देश की निर्यात कीमतें भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कीमतों के साथ प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धा कर रही थी।

20. भारत में घरेलू उद्योग के आयातों के प्रभाव की जाँच के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम के अनुबंध 11(ii) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभ प्रदत्ता, सकल बिक्री वसूली, पाटन का मार्जिन और परिमाण आदि के रूप में उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले ऐसे अन्य संकेतकों पर विचार किया है।

**21. पाटित आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा :**

(क) देश में वर्ष 1994-95, 95-96 और जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में केल्सियम कार्बाइड का कुल आयात 17773 मी. टन 19100 मी. टन और 22570 मी. टन का था। इस प्रकार इन तीन वर्षों से कुल आयात निरपेक्ष रूप से ऊर्ध्वगामी रुख रहा है। वर्ष 1994-95 की तुलना में 1995-96 में 7.46% और 95-96 की तुलना में जाँच अवधि में (वार्षिक आधार पर) 18.16% तक की आयात में वृद्धि हुई है। उक्त देशों से आयात 1994-95, 95-96 और जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में 928 मी. टन, 2850 मी. टन और 7808 मी. टन का हुआ था। इस प्रकार वर्षों से उक्त देशों से आयात की मात्रा में निरपेक्ष रूप से काफी वृद्धि हुई है। उक्त देशों से 1994-95 की तुलना 1995-96 में 207% और 95-96 की तुलना में जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में 174% तक की आयात में वृद्धि हुई है।

वर्ष 94-95, 95-96 और जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में उक्त देशों का कुल आयात में हिस्सा 5.2%, 14.9% और 34.6% का था जबकि अन्य देशों से आयात का हिस्सा 1994-95, 95-96 और जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में 94.8%, 85.1% और 65.4% का था।

**22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :**

- कुल आयातों में वर्षों से अत्यधिक ऊर्ध्वगामी रुख प्रदर्शित हो रहा है।
- उक्त देशों से आयातों की मात्रा में वर्षों से निरपेक्ष रूप में काफी वृद्धि हुई।
- कुल आयात में वर्षों से उक्त देशों के हिस्से में वृद्धि हुई है।

**उत्पादन और क्षमता उपयोग :**

23. यह देखा गया है कि वर्ष 1994-95 से जाँच अवधि तक घरेलू उद्योग की कुल स्थापित क्षमता प्रति वर्ष 58000 मी. टन की है अतः इन वर्षों में न तो नई क्षमता स्थापित की गई है और न ही कोई स्थापित क्षमता हटाई गई है वर्ष 1994-95, 95-96 और जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में केल्सियम कार्बाइड का उत्पादन 37542 मी. टन, 41628 मी. टन और 34677 मी. टन रहा है। अतः वर्ष 1994-95, 95-96 और जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में क्षमता उपयोग क्रमशः 64.7%, 71.8% और 59.8% का है।

परन्तु यह देखा गया है कि बिड़ला कॉर्पोरेशन का वर्ष 1994-95, 95-96 और जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में क्षमता उपयोग 97%, 93% और 94% का था। आई सी एम एल का क्षमता उपयोग 19 94-95, 95-96 और जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में 78% और 82% का था। टेसिल का क्षमता उपयोग 94-95, 95-96 और जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में 43%, 58% और 33% का था। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि केल्सियम कार्बाइड का उत्पादन 94-95 की तुलना में 95-96 में 37542 मी. टन से बढ़कर 41628 मी. टन (वृद्धि दर 10.9%) तक हो गया था किन्तु जाँच अवधि (वार्षिक आधार पर) में यह घटकर 34677 मी. टन (16.7% तक की गिरावट) तक हो गया है उत्पादन में बढ़त-घटत टेसिल के उत्पादन में उतार-चढ़ाव के कारण हुई जबकि बिड़ला कॉर्पोरेशन और आई सी एम एल का उत्पादन स्थिर रहा है।

**24. बिक्रियां:**

वर्ष 1994-95, 95-96 और जांच अवधि में वार्षिक आधार पर स्वदेशी बिक्री की मात्रा 31495 मी. टन, 33123 मी. टन और 26995 मी. टन थी। इस प्रकार 1994-95 की तुलना में 95-96 में बिक्री की मात्रा में 5.17% तक की वृद्धि हुई किन्तु 95-96 से जांच अवधि (वार्षिक आधार पर) में इसमें 18.5% की कमी आई। यह भी देखा गया है कि हालांकि 95-96 में उत्पादन में 10.9% तक की वृद्धि हुई लेकिन बिक्री मात्रा में 5.17% तक की वृद्धि हुई। उत्पादन में हुई वृद्धि के अनुपात में बिक्री की मात्रा में वृद्धि न होने का मुख्य कारण 1995-96 में टैसिल द्वारा अपेक्षाकृत अधिक कारखानागत खपत किया जाना था। वर्ष 1995-96 की तुलना में जांच अवधि (वार्षिक आधार पर) में बिक्री की मात्रा में कमी का कारण मुख्य रूप से जांच अवधि (वार्षिक आधार पर) में हुई कम उत्पादन को माना जा सकता है।

**25. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा :**

यह देखा गया है कि कैल्सियम कार्बाइड की कुल मांग 1994-95, 95-96 और जांच अवधि (वार्षिक आधार पर) में 49268 मी. टन, 52233 मी. टन और 49565 मी. टन की थी। बाजार मांग में कुल आयात का हिस्सा 1994-95, 95-96 और जांच अवधि (वार्षिक आधार पर) में क्रमशः 36.1%, 36.6% और 45.5% का था।

उक्त देशों का वर्ष 1994-95, 95-96 और जांच अवधि में (वार्षिक आधार पर) कुल मांग में हिस्सा क्रमशः 1.9%, 5.5% और 21% का था और घरेलू उद्योग का वर्ष 1994-95, 95-96 और जांच अवधि में (वार्षिक आधार पर) कुल योग में हिस्सा क्रमशः 63.9%, 63.4% और 54.5% का था। इस प्रकार यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि आयातित सामान के बाजार हिस्से में कई वर्षों से वृद्धि हो रही है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कई वर्षों से कमी आ रही है।

**26. अंतिम स्टॉक :**

यह देखा गया है कि 1994-95, 95-96 में और 31-7-97 की स्थिति के अनुसार अंतिम स्टॉक 378 मी. टन, 551 मी. टन और 251 मी. टन था। इस प्रकार कई वर्षों से अंतिम स्टॉक में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। टैसिल के अंतिम स्टॉक में जो वृद्धि हुई थी वह आई सी एम एल और बिरला कारपो. के स्टॉक की तुलना में अधिक थी।

**27. लाभप्रदता की बिक्री वसूली :**

यह देखा गया है कि कैल्सियम कार्बाइड की प्रति मी. टन बिक्री वसूली में कई वर्षों से वृद्धि हो रही है और यही स्थिति उत्पादन लागत के बारे में भी है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वर्ष 1995-96 में वर्ष 1994-95 की तुलना में तथा वर्ष 1996-97 (वित्त वर्ष) में वर्ष 1995-96 की तुलना में वृद्धि हुई है। इस प्रकार जहां कहीं इन वर्षों में उत्पादन लागत में वृद्धि रही है वहां घरेलू उद्योग कीमत में वृद्धि करने और लाभ कमाने की स्थिति में रहा है। तथापि, लाभ प्रदत्ता पर लागत में वृद्धि होने और बिक्री कीमत घटने से अप्रैल, 97 से जुलाई, 97 तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है तथापि, यह देखा गया है कि टैसिल में प्रति मी. टन लागत बिरला कारपो. और आईसीएमएल की तुलना में उच्च दर से वृद्धि हुई है, इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हालांकि वर्ष 1994-95, 1995-96, और 1996-97 (वित्त वर्ष) में यह उद्योग लाभ अर्जित करने में समर्थ था, तथापि इसे लागत में वृद्धि और इकाई बिक्री वसूली में गिरावट आने के कारण अप्रैल, 97 से जुलाई, 97 तक घाटा हो रहा है।

**28. कीमत में गिरावट :**

यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान इस उद्योग ने जुलाई, 96/अगस्त, 96 में अप्रैल, 96 में प्रचालित कीमतों की तुलना में कीमतों में वृद्धि की है तथापि, जनवरी, 97/फरवरी, 97 में और पुनः अप्रैल, 97 में कुछ गिरावट देखी गई है। याचिकाकर्ता के अनुसार पाटित आयातों द्वारा कीमतें घट जाने के कारण कैल्सियम कार्बाइड के विनिर्माताओं को बाजार हिस्सा बनाए रखने की दृष्टि से कीमतें कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा था।

**29. क्षति संबंधी निष्कर्ष :**

प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि :—

क. वर्षों से कैल्सियम कार्बाइड की आयात मात्रा में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है। उक्त देशों से कैल्सियम कार्बाइड के आयात की मात्रा में भी वर्षों से निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है। उक्त देशों से कुल आयात हिस्से में भी वर्षों से वृद्धि हुई है।

ख. वर्ष 1995-96 में वर्ष 1994-95 की तुलना में उत्पादन, क्षमता उपयोगिता और बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है। लेकिन जांच अवधि (वार्षिक आधार पर) में इनमें गिरावट आई है।

ग. वर्षों से आयातित सामान के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। उक्त देशों से भी आयातित सामान के बाजार हिस्से में वर्षों से वृद्धि हुई है।

घ. वर्षों से अंतिम स्टॉक में वृद्धि हुई।

ड. घरेलू उद्योग के कैल्सियम कार्बाइड की कीमतों में जनवरी, 97 से आगे कमी आयी है जिससे उनकी लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

इस प्रकार उपर्युक्त मानदण्डों से सांख्यिक रूप से तथा मंचयी रूप से यह प्रमाणित होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है हालांकि कुछ मानदण्ड सुधार दर्शाते हैं। प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

#### अ. कारणात्मक संबंध

30. यह प्रमाणित करने के लिए कि संदर्भाधीन देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि चीन और रोमानिया से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि होने से याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आई। संदर्भाधीन वस्तुओं के सस्ते आयातों के परिणाम स्वरूप घरेलू उत्पाद की कीमत में गिरावट आई। उसके साथ-साथ पाटित सामग्री के कारण घरेलू उद्योग को ज्यादा स्टॉक रखने पर मजबूर होना पड़ा। इसलिए घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संदर्भाधीन देशों से पाटित आयातों के कारण हुई।

#### ट. निष्कर्ष

31. इस प्रकार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि :

(क) चीन और रोमानिया से कैल्शियम कार्बाइड का निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया जिसके परिणामस्वरूप कैल्शियम कार्बाइड का पाटन हुआ।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई।

(ग) पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध प्रमाणित होता है।

#### ठ. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

32. पाटन-रोधी शुल्क का उद्देश्य आम तौर पर उस पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहा है और भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति की पुनर्स्थापना करना है जो देश के आम हित में है।

33. ऐसी मान्यता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध सामान का इस्तेमाल करके तैयार किए गए उत्पाद की कीमत के स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है और परिणामतः इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि भारतीय बाजार संबंधी उचित प्रतिस्पर्धा पाटन रोधी उत्पादों से कम नहीं होगी, खासकर यदि पाटनरोधी शुल्क एक ऐसी राशि तक सीमित कर दिया जाता है जो घरेलू उद्योग को हो रही क्षति से दूर करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन के तरीकों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग घाटे से बच जाएंगे, और उपभोक्ताओं को कैल्शियम कार्बाइड के व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पाटन-रोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से होने वाले आयात पर किसी प्रकार से प्रतिबंध नहीं लगेगा और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

34. घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की सीमा लागू तब करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए भारत में कैल्शियम कार्बाइड की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया था। ऐसा घरेलू उद्योग के लिए ईस्टतम क्षमता उपयोगिता स्तर पर ईस्टतम उत्पादन लागत पर विचार करके किया है।

#### ड. पहुंच मूल्य

35. चीन और रोमानिया से होने वाले आयात के पहुंच मूल्य का निर्धारण प्रचलित सीमा-शुल्क और एक प्रतिशत उतराई और दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभारों को जोड़कर उक्त देशों से होने वाले कैल्शियम कार्बाइड के भारत औसत निर्यात के आधार पर किया गया है।

36. जांच पूरी होने तक संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कैल्शियम कार्बाइड के सभी आयातों पर अंतिम निर्धारण होने तक अनंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझा गया है।

37. इस बात पर विचार किया गया था कि क्या क्षति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाना पर्याप्त रहेगा। इस प्रयोजन के लिए आयातों की पहुंच कीमतों की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत के साथ की गई थी। जहां अंतर पाटन मार्जिन से कम था वहां पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। तदनुसार प्राधिकारी निम्नानुसार अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं :—

निम्नलिखित मूल के अथवा वहां से निर्यातित उत्पाद	पाटनरोधी शुल्क की राशि (रुपए प्रति मी. टन में)
चीन	1047
रोमानिया	1460

38. अंतिम निर्धारण होने तक सीमा-शुल्क टैरिफ के अध्याय 28 के तहत आने वाले चीन और रोमानिया के मूल अथवा वहां से निर्यातित कैल्शियम कार्बाइड के सभी आयातों पर इस बारे में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

39. प्राधिकारी द्वारा संबंधित ज्ञात उन निर्यातकों, आयातकों, याचिका कर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है जो इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE****NOTIFICATION**

New Delhi, 24th August, 1998

**PRELIMINARY FINDINGS**

**Subject: Anti-dumping Investigation concerning Imports of Calcium Carbide from China and Romania. - Preliminary Findings.**

**27/1/97-ADD.—** Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

**A. PROCEDURE**

The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- ii. Preliminary scrutiny of the application filed by petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioners. The petition was therefore considered as properly documented;
- iii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigations against imports of calcium carbide from China and Romania. The Authority notified the Embassy of China and Romania about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
- iv. The Authority issued a public notice dated 28th January 1998 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti - dumping investigations concerning imports of calcium carbide classified under custom heading 28.49 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China and Romania (herein after also referred to as the subject country).
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the petitioners) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers of calcium carbide in India as furnished by the petitioners, and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter;
- vii. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of calcium carbide made in India during the past three years, including the period of investigation. No information was, however, received from CBEC;
- viii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested;

ix. The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with the rule 6(4);

1. Beijing Chemical Industry Group Imp & Exp. Co. China
2. Beijing No.2 Chemical Plant, china
3. Beijing Huafel Chemical Industry(Group) China
4. Changzhi Municipality Chemical Industry Plant, China
5. Yanquan Calcium Carbide Enterprises Group Corp. China
6. Jlexit Calcium Carbide Plant, China
7. China National chemical Construction Inner, China
8. B33enxi Chemical and Mine General Factory, China.
9. Liaoning Fuxin Calcium Carbide Factory, China.
10. Sinochem Siping Chemical Complex, China
11. Harbin Petrochemical Industry(Group)Corpn. China
12. Hefei Chemical Plant China
13. Huainan Electro chemical Plant, China
14. China national Chemical construction Corpn China
15. Dalian Stonestar, China
16. Shenyang Coal Mining China
17. Hefei Chemical Plant, China
18. Guangxi Hoshan Coal Mining
19. Carbld-Fox S.C.A., Romania
20. Comchim S.A. Romania

A number of parties requested for extension of time, which was allowed by the Authority by two weeks.

The following exporters responded:

- China National Chemical Construction Dalian Co. -China
- Sinochem Xlamer Corpn.- China
- Carbld Fox - Romania

x. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers.

xi. A questionnaire was sent to the following known importers of calcium carbide calling for necessary information in accordance with rule 6(4);

- (a) Asiatic Gases Ltd., Thane,
- (b) Bombay Oxygen Corp Ltd., Mumbai
- (c) Industrial Oxygen Co. Ltd., Chennai
- (d) Senka Carbon P. Ltd. Chennai
- (e) Akshar Acetylene P. Ltd., Vadodara
- (f) Eastern Acetylene P. Ltd., Bhopal
- (g) Sky Acetylene Co P. Ltd., Gujarat
- (h) Gujarat Acetylene P. Ltd., Gujarat
- (i) K.Manish Gases P.Ltd.,Mumbai
- (j) Modi Gases P.Ltd., Mumbai
- (k) Chemplast Sanmar Ltd.,Chennai
- (l) BOC India Ltd., Chennai
- (m) National Oxygen Ltd., Pudukottai Dist.

- (n) DCW Ltd., Tuticorin Dist.
- (o) Modi Alkalies & Chemicals Ltd., Alwar
- (p) Mapro Inds. Ltd., Mumbai
- (q) Rashtriya Ispat Nigam Ltd., Visakhapatnam
- (r) Arvi Enterprises Ltd., Pune
- (s) Poona Oxygen & Acetylene Co P. Ltd., Pune
- (t) The Andhra Oxygen P. Ltd., Visakhapatnam
- (u) Pimpri Gases Ltd., Maharashtra
- (v) Indian Gases, Jalandhar Dist.
- (w) Kesharwanji Agencies, Mumbai
- (x) Mahaveer Gas P. Ltd., Mumbai

A number of parties requested for extension of time, which also was allowed by the Authority for two weeks. Response to the questionnaire was filed by the following;

- All India Indl. Gases Manufactureres Association, New Delhi
- Senka Carbon (p) Ltd., Chennai
- Munjal Gases - Ludhiana
- Poona Oxygen & Acetylene Co (P) Ltd.,
- National Oxygen Ltd., Chennai
- Aslatic Gases Ltd., - Thane
- Mapro Industries Ltd., - Mumbai
- Bombay Oxygen Corpn Ltd. - Mumbai
- DCW Ltd., Mumbai
- Akshar Acetylene Ltd., Gujarat
- BOC Gases Calcutta
- Gwallor Air Products Ltd. MP

xii. Additional information regarding injury was sought from the petitioners, which was also furnished;

xiii. The Authority conducted on-the-spot investigation at the premises of the petitioners to the extent considered necessary;

xiv. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the authority and kept open for inspection by the interested parties;

xv. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principals (GAAP) and the information furnished by the petitioners also as to ascertain if anti-dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry;

xvi. \*\*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

xvii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 1996 to 31st July, 1997 (16 months).

## B. PETITIONERS' VIEW

2. The petitioners have raised the following major issues in their petition and subsequent submissions.

- (a) The Indian calcium carbide industry is made of mostly by four large producers viz. Birla Carbide, TECIL, ICML and Panyam. There are also many tiny producers selling within the vicinity of the districts/state. There is no official estimate of exact total capacity in the

country. The other large producer is DCM Shri Ram wherein calcium carbide is used as intermediate material and it is not sold.

- (b) The demand of calcium carbide in the country for last three years is about 58000 MT per annum. No new capacity has been created in the recent past.
- (c) There has been considerable rise in the volume of dumped goods over the years. The dumped imports are at significantly lower prices since June 96 in comparison to prevailing domestic prices. There has been significant price under cutting. Due to price under cutting by calcium carbide imports, the manufacturers are forced to reduce the prices in order to retain the market share.
- (d) Sufficient capacity is available in the country for production over 70000 MT pa which is above the market sale of 65000 MT including imports. Indian calcium carbide market is very small compared to China and the world. The share of imports at a dumped price if allowed to continue unchecked would flood market. The domestic producers have already lost their market share to imported dumped products.
- (e) Due to dumping, the worst affected domestic calcium carbide manufacturers would be producers who have high cost of production for various reasons. 38% of the domestic capacity is located in high tariff state.

### C VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES.

#### 3. Exporter: S.C. Carbide Fox A Romania.

- (a) They have stated that they are the sole calcium carbide producers in Romania generally satisfying the domestic market demand. They are a private company with a policy to achieve the production with minimal cost per product unit.
- (b) Product calcium carbide is sold covering only the production expenses and with a benefit established through the business plan and profits & expenditure approved before the beginning of the calendar year. The price established are published and they are controlled by the Government. Modifying them without an economical substantiation would be considered an illegal action. The situation is valid for exports too; which they are both obliged and interested to make only by the production expenses coverage and by achieving a profit.
- (c) Romania throughout the years succeeded to be traditional presence on the market worldwide. In 1996 it celebrated 80 years of continuous operation and this is the first time they are informed that they are making dumped export.
- (d) The economical and financial results for 1996 and 1997, have indicated that they exported the calcium carbide with 4% profit and in the second year with 3.5% profit. The profit for the Indian exports in 1996 was 3.8% and in 1997 was at 3.5%.
- (e) The petitioners have lost from view some aspects, which are as under:-
  - They make exports at order for a certain size grade, in a certain kind of package with a certain gas yield in M3/Kg of calcium carbide. Whereas the total export quantity to India in 1996-97 was of 15440 MT, an amount of 2675 MT represented in low granulation grades as 0-15MM, 7-15MM, 15-25 MM. This type of product has different cost than the great granulation cost, and therefore the Indian producers should be asked to inform about what they are comparing with what.
  - India consumed about 60000 MT of Calcium Carbide in 1997 whereas the internal production covers only 55% of demand. Thus there is a scope to make imports by the interested companies in India. If this import is unwanted, (though it is necessary and useful) the damaged party is precisely the Indian economy.

- It is stated that they know that India has a market economy. The market economy is a competition in which the producers verify their economical potential in which they must be competitive both with themselves and the other producers and not to be protected to produce at high costs situation that does not permit them to subscribe to the market price which is depending on demand and supply.
- The level of cost during 1996 year had been on an average about USD 325 PMT and in 1997 about USD 330 PMT. In 1996-97, the company capitalised from export over 50% of the turnover. The company is exporting calcium carbide to over 40 countries in Europe, Asia, Africa and America and it is claimed that they did not make export with damages. They are a private company and have no other source of income other than the profit.

4. Exporter - China National Chemical Construction Dalian Co., China.

- a) It is stated that real situation prevalent in the carbide exported from China is not reflected. The selling price of calcium carbide in China is lower than the price of calcium carbide exported in India.
- b) The question of Anti-dumping duty comes in the picture only if the export price is below the price prevalent in the domestic market. It is claimed that to their local customer, carbide is sold at a higher price compared to price to overseas customers and China is not exporting carbide at subsidised prices. Moreover the export quantity is very limited.

VIEWS OF IMPORTERS

5. Munjal Gases

It is stated that importers are fed up with the cartel of manufactures which in the last six years has raised the price by nearly 30%. Presently the calcium carbide is selling at Rs. 22000/- PMT and the high price of calcium carbide is squeezing profitability. They have quoted a news paper report stating BOC India is planning to set up a plant in Bhutan or Nepal to produce calcium carbide with an installed capacity of 50000 MT per annum. The cost will be in the region of Rs. 13500-14000 MT giving a margin of Rs. 8000 to 9000.

6. M/s Senka Carbon Pvt. Ltd.,

(i) The representation for levy of Anti-dumping duty does not reflect the real situation prevalent in the carbide manufacturing industry of India. The representation is restricted to only four of the manufacturers in India while there are more with a total capacity of over 2.5 lacs tonne p.a. as per chemical weekly/annual 1996 issue. This does not include many medium and small-scale units with sizable capacity. Out of four petitioner one is importer and other two have major portion of the carbide consumed for captive use. Thus a small fraction of carbide manufacture is being taken up as an issue for imposition of Anti-dumping duty leaving aside of large chunk of non-participants. As per the published Balance sheet of Tecil 1996-97, their installed capacity was 30000 MT Pa whereas production was 10254 MT. But they made available to the market for sale only 3022 MT thus consuming a large chunk of their production for captive consumption. Similarly Birla have some portion of captive consumption. Thus the effective representation is only from ICML whose installed capacity is 12500 MT. It is wondered whether they are entitled to make a representation for Anti-dumping duty when comparatively low level of installed capacity against the total installed capacity and also the market requirement which are very high. If anti-dumping duty is instituted on the representation by a fractionating of total manufacturing capacity, it will be unfair to the entire industry and particularly to the consumers especially when the product is in short supply.

(ii) It is stated that importer are pushed to resort to importation of calcium carbide for their own consumption by calcium carbide manufacturer. There has been instances in the past where the manufacturer could not supply calcium carbide to users. On occasions the price increase were exorbitant and had no relevance to the power tariff or other levies increased



by the state Government. One of the producers had resorted to rationing their supplies to user thus restricting/ controlling their output.

(iii) The producer had even advised orally the user to go for import to supplement the shortfall in supplies. Thus the user is importing to cover the shortfall in supplies and importation cost is not cheaper than the indigenous price. Further the supplies from the manufacturer had been erratic and there has been instances of short supplies despite vigorous follow up. The manufacturers are increasing their prices every now and then without any sufficient reason.

(iv) It is stated that user are still procuring the calcium carbide from the manufacture to the extent they are able to supply. They are resorting to imports only due to inability of the producers to supply the material. Imports are to supplement the indigenous availability.

(v) The production volume between 1989-90 to 1996-97 is about 95000-96000 MT p.a. against very large installed capacity available in the country. Thus there is a heavy shortage of availability of Calcium Carbide in the country necessitating augmenting the consumer requirement by only importation, supplementing indigenous availability. The shortage can be made up only if the entire installed capacity is utilized. Production of calcium carbide is heavily dependent on the electric power which varies from state to state. The procurement of carbide from long distance is uneconomical due to road transportation cost. Thus future requirement of calcium carbide should be made up by importation only so as to conserve maximum electricity.

(vi) The question of Anti-dumping duty comes in to picture only if the export price is below the price prevalent in the domestic market. The Chinese Carbide is not being sold at a price lower than exported.

(vii) There are many pages in the representation on Anti-dumping duty with the stamp "non confidential" on top, many figures are blanked with the remark "classified." It is ridiculous that on the one hand they bear the stamp of 'non confidential' and on the other hand, the figures are blanked. This is highly objectionable and unacceptable. The importer has desired to register their protest and to treat the petition "incomplete" and "inconsistent" therefore be dismissed.

(viii) If Anti-dumping duty is imposed on calcium carbide it will be a boom to the indigenous manufacturer as they will immediately raise their price and come to their old tactics of monopoly.

■ All India Industrial Gases Manufacturers Association has opposed the petition on account of followings:

(i) The local manufactures are working as a cartel and thereby charging premiums on a unanimously fixed price

(ii) Quality of domestic carbide is inferior when compared to imported carbide. As a result yield of gas per kg of carbide is less from the local carbide.

(iii) The local manufacturer usually do not stick to delivery schedules. This leads to shortage and panic buying. One has to pay premium to the manufacture/dealer for purchase of calcium carbide.

(iv) It is stated that when import of calcium carbide was under restricted list, there were many DA gas plants which used to be closed for 15-20 days for want of calcium carbide. It is only after the product has come under OGL, the supply of calcium carbide has been stabilized. The imported calcium carbide from China and Romania is of better grade and quality.

(v) It is stated by the user that if the indigenous manufacturer match both in case of imported price and gas yield, they can consider drawing supplies from them. In case of TECIL,

the gas yield is in the range of 270 L/kg equivalent to a cost of Rs. 76.1/kg whereas in the imported calcium carbide it is on an average of Rs. 65 which is a very significant factor in terms of cost of production of the end product.

(vi) The production of calcium carbide in India has not reduced because of imports but due to various problems of which power shortage is the main. Virtually in every state power is in short supply and power is one of the major input required in the manufacture of calcium carbide. Four major plants in India were closed due to power shortage and various other problems before the start of import. This itself is evident that there is shortage of calcium carbide in Indian market.

#### **D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED.**

7. The submission made by the exporters, importers, petitioners and other interested parties have been examined, considered and have been dealt at appropriate places in this notification.

#### **E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

8. The product considered in this notification for the purpose of present investigation is calcium carbide of all sizes.

9. Calcium carbide is one of the basic industrial chemicals for manufacture of a wide range of Acetylene based chemicals. The basic raw material used in manufacture of calcium carbide are limestone and coal/coke.

10. Calcium carbide is classified under custom code 28.49 (which reads as carbides) of Custom Tariff Act. The classification is however indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

#### **F. LIKE ARTICLES**

11. Rule 2(d) specifies that "like articles" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. The Authority considered factors such as physical characteristics manufacturing process and technology function and uses, product specification and pricing, distribution and tariff classification of goods in order to establish whether the calcium carbide produced by domestic industry is a like article to the calcium carbide exported from said countries. The calcium carbide produced by the domestic industry is substitutable by the calcium carbide imported from China and Romania both commercially and technically. Therefore the calcium carbide produced by the domestic industry is a like article to the product under consideration.

#### **G. DOMESTIC INDUSTRY**

12. The petition has been filed for and on behalf of calcium carbide manufactures which consist of M/s Industrial Chemicals and Monomers Ltd., (ICML), M/s Birla Corp Ltd., M/s Tecil chemical and Hydro power Ltd. and Panyam Cement. The petitioner has submitted that Indian calcium carbide industry is made up of mostly by these four producers. There are also many tiny producers selling within the vicinity of the district/State. There is no official estimate of the exact total capacity in the country. However, M/s. Sumagala Steel Ltd., Pondicherry has claimed that it produces calcium carbide and has supported the petition and has further claimed that M/s. Alfotech Pvt. Ltd. has closed its production of calcium carbide due to its inability to compete with the abnormal low price offered by the competitors. M/s Sumagala has further claimed that it has suspended its production since Dec., 1997. The Authority had inquired about the production of calcium carbide in the country from the Department of Chemical & Petrochemicals and it was reported that there are six units of calcium carbide. Out of six, four are already named, above as petitioner and the others are M/s Shri Ram Fertilizer and

Chemical and M/s. UP Carbide and Chemicals. It is noted that Shri Ram Fertilizer and Chemical is producing calcium carbide solely for captive consumption and hence Authority has excluded from the perview of domestic industry production. Production of M/s Panyam Cement has not been included as they are importers of the said product during the period of investigation. The other petitioners account for more than 25% of domestic production and therefore have a standing to file a petition on behalf of domestic industry under the aforesaid rules.

#### H. DUMPING

13. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

14. The Authority sent questionnaires to the exporters from the subject countries in terms of the section cited above. The claim made by the exporters with regard to normal value and export price are as under:

#### 15. CLAIMS OF THE EXPORTERS:

##### a. Exporter: Carbide Fox, Romania

i. The exporter has stated that their company materializes export operation in Fob condition for all Maritime transport relations. The price practicable on the Indian market in 1996 had been USD 330-350/Tonne and for 1997- USD 320-355 /Tonne. It is further stated that the price of calcium carbide oscillated function of qualitative sort (granulometric and active substance content), presentation mode of the product, transport condition (cargo or container) and payment condition. The cost of fabrication for calcium carbide are oscillating in time (from one period to other period) function of the prices of principal raw materials (Coke, anthracite, metal and usefulness (electric power and natural gases) and the values of the credit practiced by banks and other finances.

ii. It is further stated by the exporter to accept the fact that it is impossible for them to provide data about the market where they act and the prices on this market. It is claimed that their price on Indian market are normal and much over the practice prices by our competitor-the calcium carbide from China. It is also claimed that this fact is proved practically from that fact

that in the second part of 1997 and in the first four months of this year, the calcium carbide exporting from Romania to India was much diminished. They have further stated that from their side they have provided enough data. However they have expressed their inability to provide data on production volume, exporting price, the selling market as they have considered these data as confidential.

b. Exporter - China National Chemical Construction Dalian Co.-China

i. They have submitted the details about their customer, quantity and method of transportation and sales contract in India during the period of investigation. It is submitted that they exported 766 MT during the period of investigation. Out of this 550 MT is exported at US\$ \*\*\*\* PMT (C&F) and 216 MT is exported at US\$ \*\*\*\* PMT (C&F). It is claimed that the price prevailing in China was US\$ \*\*\*\* PMT during the period of investigation.

ii. In view of above, the exporter has claimed that the quantity of export is not large and their price in civil market is lower than that of India and thus they are not dumping. It is ordinary business with India.

c. Exporter- Sinochem Xiamen Corpn. China

It is stated by them that they supply calcium carbide to Indian market at an international price level instead of at a dumped price. It has not been lower than the normal value in China absolutely. The FOB price in Chinese port prior to loading into the container is USD \*\*\*\* MT. The local selling price at the port locality including taxes is around RMB\*\*\*\* PMT (USD \*\*\*\*). However they have not submitted the information in the prescribed format and no evidence has been submitted.

16. Examination of the claim of Importers by Authority:

(a) The Authority while examining the information submitted by importers observes that an importer has quoted a news paper report stating that BOC India is planning to set up a plant in Bhutan or Nepal to produce calcium carbide with an installed capacity of 50,000 MT per annum. Location of plant being outside India the issue is not under the purview of the investigation.

a) As regards to issue raised regarding total capacities of 2.16 lacs tonne p.a. as reported in chemical weekly 1996 issue, it has been clarified by the petitioner that Tecil with a capacity of 30000 MT has already been included in the petition and the other three manufacturers viz. MP Carbides & Chemicals, AP Carbide and UP Carbide and Chemicals have been closed for almost a decade and there is no production from these plants. Further, importers have referred to estimated production of 96000 MT as reported by chemicals weekly and the factual position has been ascertained by the Administrative Ministry that there are only six major producers during 1996-97 and the actual production is 90606 MT.

b) As regards to Non Confidential version of the petition wherein the petitioner has blanked certain information, Authority observes that interested party is permitted to furnish information on confidential basis. The information furnished by the petitioner on confidential basis and the reasons given thereof regarding confidentiality has been accepted as such by the Authority.

c) As regards to quality of domestic carbide is inferior when compared to imported carbide, no evidence has been furnished to substantiate the claim. Hence, the Authority may reject the claim.

Examination of the claims of exporters by Authority

- a) The Authority while examining the Information submitted by the exporters observe that the exporters from Romania & China have not furnished adequate information on normal value and export price. In view of the inadequate information furnished by the exporters, the Authority has ignored the data submitted by the aforesaid exporters.
- b) The normal value is determined on the basis of prevailing domestic prices in Romania and China based on the evidence given by the petitioner in the petition and on best available information in accordance to Rules 6(8).
- c) The export price has been calculated on the basis of Import data compiled from "Chemical Weekly" after allowing adjustment on account of domestic freight and handling charges, ocean freight, Insurance and port charges as claimed by the petitioner to bring the price at comparable ex-factory level. Some factual errors have been pointed out in data compiled by DGCI&S, Calcutta and therefore, these data has not been relied upon.
- d) For the purpose of fair comparison between normal value and export price the Authority took into account the information furnished by the petitioner and other published information available with the Authority. The normal value and export price determined as detailed above, are at ex-works level and the dumping margins are as under.

Rs/MT

	Dumping Margin as % of Export Price
China	9.58
Romania	46.03

# I. INJURY

18. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Annexure II(iii) under rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti dumping investigation, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

19. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject country are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export prices from the subject country were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market.

20. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

21. Volume and Market Share of Dumping Imports.

The total imports of calcium carbide in the country was 17773 MT, 19100 MT and 22570 MT in 1994-95, 95-96 and in period of investigation (POI) (on annualized basis). Thus there is an upward trend in the total imports over these years in absolute terms. The imports have increased by 7.46% in 1995-96 over 94-95 and by 18.16% in POI (on annualized basis) over 95-96. The imports from the said countries were 928 MT, 2850 MT and 7808 MT in 1994-95, 95-96 and in period of investigation (on annualized basis). Thus there has been a significant increase in absolute terms in volume of imports from the said countries over the years. The imports from the said countries have increased by 297% in 95-96 over 94-95 and by 174% in POI (on annualized basis) over 95-96.

The share of said countries in total imports was 5.2%, 14.9% and 34.6% in 1994-95, 95-96 and in POI (on annualized basis) whereas the share of import from other countries was 94.8%, 85.1% and 65.4% in 94-95, 95-96 and in POI (on annualized basis).

22. Authority notes that:

- Total imports are showing a significant upward trend over the years.
- The quantum of imports from said countries increased significantly in absolute terms over the years.
- the share of said countries in total imports have increased over the years.

23. PRODUCTION AND CAPACITY UTILISATION

It is observed that the total installed capacity of the domestic industry is 58000 MT p.a. from 1994-95 to period of investigation. Thus neither new capacity has been installed nor any installed capacity withdrawn over these years. The production of calcium carbide has been 37542 MT, 41628 MT and 34677 MT in 94-95, 95-96 and in POI (on annualized basis). Thus the capacity utilization is 64.7%, 71.8% and 59.8% respectively in 94-95, 95-96 and in POI (on annualized basis). However it is observed that the capacity utilization of Birla Corp was 97%, 93% and 94% in 94-95, 95-96 and in POI (on annualized basis). The capacity utilization of ICML was 78%, 78% and 82% in 94-95, 95-96 and in POI (on annualized basis). The capacity utilization of Tech was 43%, 58% and 33% in 94-95, 95-96 and in POI (on annualized basis). Thus it can be concluded that the production of calcium carbide increased in 95-96 over 94-95 from 37542 MT to 41628 tonnes (growth rate 10.9%) but it decreased to 34677 MT (decline by 16.7%) in period of investigation (on annualized basis). The increase and decrease in production was due to fluctuation in the production of Tech whereas the production of Birla Corp and ICML has been stable.

SALES

24. The indigenous sales quantity were 31495 MT, 33123 MT and 26995 MT in 94-95, 95-96 and in period of investigation (on annualized basis). Thus the sales quantity increased in 95-96 over 94-95 by 5.17% but decreased in period of investigation (on annualized basis) by 18.5% from 95-96. It is also observed that whereas the production in 95-96 increased by 10.9% but sales quantity increased by 5.17%. The main reason for non increase of sales quantity in proportion to increase in production was higher captive consumption by Tech in 95-96. The decrease in sales quantity in period of investigation (on annualized basis) as compared to 95-96 can be attributed mainly due to lower production in period of investigation (on annualized basis).

### MARKET SHARE OF DOMESTIC INDUSTRY

25. It is observed that the total demand of calcium carbide was 49268 MT 52233 MT and 49565 MT in 94-95, 95-96 and in period of investigation ( on annualized basis). The share of total Import in market demand was 36.1%, 36.6% and 45.5% respectively in 94-95, 95-96, and in period of investigation ( on annualized basis). The share of said countries in total demand was 1.9%, 5.5% and 21% respectively in 94-95, 95-96 and in period of investigation ( on annualized basis). The share of domestic industry in total demand was 63.9%, 63.4% and 54.5% respectively in 94-95, 95-96 and in period of investigation ( on annualized basis). Thus it can be concluded that the market share of imported goods is increasing over the years and market share of domestic industry is declining over the years.

### CLOSING STOCKS

26. It is observed that closing stock was 378 MT, 551 MT and 2512 MT on 94-95, 95-96 and as on 31.7.97. Thus there has been a significant rise in closing stock over the years. The rise in closing stock of Tecil was more as compared to ICML and Birla corp.

### SALES REALISATION OF PROFITABILITY

27. It is observed that sales realization per MT of calcium carbide is increasing over the years and so is the case with cost of production. The profitability of the domestic industry has increased in 1995-96 over 1994-95 and in 1996-97 (financial year) over 1995-96. Thus wherever there has been increase in the cost of production in these years the domestic industry was in a position to increase in price and earned profit. However the profitability has been affected adversely from April 97 to July 97 due to increase in cost and decrease in sales price. However it is noticed that cost per MT has increased in Tecil at a higher rate as compared to Birla Corp and ICML. Thus it can be observed that whereas the industry was able to earn profit in 1994-95, 95-96 and 1996-97 (financial year), it is incurring losses from April 97 to July 97 due to increase in cost and reduction in unit sales realization.

### PRICE EROSION

28. It is observed that during the period of investigation, the industry has increased the prices in July 96/August 96 as compared to the price prevailing in April 96. However some fall has been noticed in Jan 97/Feb 97 and again in April 97. As per the petitioner due to price undercutting by dumped imports, the calcium carbide manufacturers were forced to reduce the price in order to retain the market share.

### CONCLUSION ON INJURY

29. The Authority concludes that

- a) The quantum of imports of calcium carbide has increased over the year in absolute terms. The quantum of imports of calcium carbide from said countries has also increased over the years in absolute terms. The share in total imports from the said countries has also increased over the years.
- b) the production, capacity utilization and sales quantity has increased in 95-96 over 94-95 but has decreased in period of investigation (on annualized basis).
- c) The market share of imported goods has increased over the years. The market share of imported goods from the said countries has also increased over the years.
- d) The closing stocks increased over the years.
- e) There has been a erosion in the prices of calcium carbide of domestic industry from Jan 97 onward which is affecting their profitability adversely.

Thus above parameters collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury even though some of the parameters show improvements. The Authority holds that domestic industry has suffered material injury.

J. CAUSAL LINK

30. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject countries, the Authority holds that increase in market share of imports from China and Romania resulted in decline in the market share of the petitioner. Cheap imports of subject goods resulted in reduction in price of domestic product. Further, the dumped material forced the domestic industry to hold higher stocks. The material injury to the domestic industry was, therefore, caused by the dumped imports from the said countries.

K. CONCLUSIONS

31. The authority thus concludes that:

- a) Calcium Carbide has been exported from China and Romania at a price lower than the normal value resulting into dumping of calcium carbide.
- b) The domestic industry has suffered domestic injury.
- c) The causal link between dumping and injury is established.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

32. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

33. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duties is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumer of Calcium Carbide. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports of the subject countries in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the customers.

34. To ascertain the extent of anti dumping duties necessary to remove the injury to the domestic industry, the authority relied upon reasonable selling price of calcium carbide in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

M. LANDED VALUE

35. The landed value of imports from China and Romania have been determined on the basis of weighted average export price of Calcium Carbide from the said countries after adding prevailing levels of custom duties and one per cent landing and two per cent handling charges.

36. It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination on all imports of calcium carbide originating in or exported from the subject countries, pending investigations.

37. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed prices of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is



recommended. Accordingly, the Authority recommends the provisional anti dumping duties as given below:

Product originating in or exported from	Amount of Antidumping Duties (Rs. Per MT)
China	1047
Romania	1460

38. The antidumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of calcium carbide originating in or exported from China and Romania falling under Chapter 28 of the Customs Tariff, pending final determination.

39. Exporters, Importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within 40 days of the date of publication of these findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

